मशिमं 2020 की परीक्षाओं में...

माध्यम, संकाय व विषय में बदलाव के लिए अब 21 तक आवेदन कर सकेंगे छात्र

भोपाल| माध्यमिक शिक्षा मंडल ने वर्ष 2020 की परीक्षाओं के लिए माध्यम, संकाय एवं विषय में बदलाव करने के लिए आवेदन करने की तारीख अब 21 फरवरी कर दी है। मंडल के सचिव ने शुक्रवार को इसके आदेश जारी कर दिए। इसमें कहा गया है कि परीक्षा केंद्र पर संशोधन के लिए आवेदन करने पर 2000 रुपए अर्थदंड को शिथिल करते हुए प्रति विषय 300 रुपए के साथ जिस कियोस्क पर परीक्षा आवेदन भरे गए हैं, वहीं 21 फरवरी तक संशोधन की सुविधा दी जा रही है।

मंडल ने छात्रों को यह सुविधा भी प्रदान की

- 2019-20 की कक्षा नवमीं के नामांकन के डाटा में स्पेलिंग संबंधी गलती के सुधार, जन्म तिथि संशोधन या फोटो बदले जा सकेंगे।
- आवेदक विद्यार्थी, माता-पिता के नाम में स्पेलिंग की लगती सुधारने, माध्यम/ विषय में सुधार।
- हाईस्कूल परीक्षा 2020 के परीक्षा आवेदन पिछले साल कक्षा 9वीं के नामांकन डाटा पर आधारित हैं। कक्षा 9वीं में ए-18 सीरिज के नामांकन डाटा में स्पेलिंग संबंधी गलती सुधार।

स्कूल ● राज्य शिक्षा केंद्र के आदेश के बाद जिले में पांचवीं और आठवीं के परीक्षा को लेकर विभाग सजग

शिक्षक से ले रहे बेहतर परिणाम लाने का शपथ-पत्र

खरगोन (नईदुनिया प्रतिनिधि)। जिले में संचालित प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों में पढ़ने वाले सभी बच्चों को वार्षिक परीक्षा में शामिल कराकर करीब 80 फीसदी परीक्षा परिणाम लाने के लिए शिक्षकों से शपथ-पत्र लिए जा रहे हैं। ताकि परीक्षा परिणाम लाने में लिए स्टाफ सहित शिक्षक द्वारा पूरी ईमानदारी से मेहनत की जाए। इसके बाद यदि संबंधित संस्था के परीक्षा परिणाम संतोषजनक नहीं आते हैं, तो विभागीय स्तर पर कार्रवाई की भी बात की जा रही है। दरअसल, राज्य शिक्षा केंद्र पांचवीं-आठवीं की परीक्षा को लेकर ज्यादा गंभीर है इसी के तहत शिक्षकों के अंदर डर पैदा करने के लिए उनसे शपथ-पत्र और अन्य आवेदन भरवाए जा रहे हैं। विभागीय प्रक्रिया के बाद शिक्षक बेहतर परिणाम लाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं।

शासन के आदेशानुसार करीब नौ साल से सरकारी स्कूलों में पहली से आठवीं तक के बच्चों को बिना रोक-टोक के पास किया जा रहा था। ऐसे में बच्चों और शिक्षकों की आदतें भी वैसी ही बन गई थी। इस बार नियम बदले और पांचवीं व आठवीं को बोर्ड परीक्षा की श्रेणी में रखा गया है। अगर बच्चों ने पढ़ाई नहीं की तो वह फेल हो जाएगा और शिक्षक ने अच्छे से नहीं पढ़ाया तो उन पर भी कार्रवाई होगी। इस व्यवस्था में सुधार लाने के लिए यह पूरी कवायद की जा रही है। इस वर्ष पांचवीं और आठवीं की परीक्षा को लेकर विभाग द्वारा ऑनलाइन प्रक्रिया अपनाई जा रही है। स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के ऑनलाइन ही प्रवेश-पत्र सहित केंद्रों का निर्धारण किया जाएगा।

3116 स्कूलों में से परीक्षा के लिए बनाए गए हैं परीक्षा केंद्र

96 प्रतिशत स्कूलों को किया गया है पोर्टल पर अपलोड

22773 विद्यार्थी दर्ज हैं पांचवीं में

22291 विद्यार्थी दर्ज हैं आठवीं में

2471 प्राथमिक स्कूल हैं जिले में

809 माध्यमिक स्कूल हैं जिले में

135 हाई स्कूल हैं जिले में

समग्र आई से जनरेट होंगे रोल नंबर

पांचवीं और आठवीं की बोर्ड परीक्षाओं को लेकर शिक्षा विभाग द्वारा विभागीय स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। 10 वर्ष बाद हो रही बोर्ड परीक्षाओं को लेकर विभाग द्वारा परीक्षा से संबंधित सभी प्रक्रिया ऑनलाइन की जाएगी। वही संबंधित विद्यार्थियों का रोल नंबर उनकी समग्र आईडी के माध्यम से ही जनरेट होगा। जिन बच्चों के पास समग्र आईडी नहीं है, उन्हें अस्थायी आईडी दी जाएगी। परीक्षा का टाइम टेबल घोषित गया है। मार्च में ही 10वीं और 12वीं के साथ ही पांचवीं और आठवीं की बोर्ड परीक्षा होगी। पांचवीं के लिए माध्यमिक और आठवीं के लिए हाई स्कूल को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। वर्ष 2009 में शिक्षा का अधिकार कानून के तहत आने वाली धारा-30 के लागू होने के कारण कक्षा पांचवी और आठवीं की बोर्ड परीक्षाएं नही ली जा रही थी। कक्षा पांचवीं और आठवीं के परीक्षा परिणामों के साथ ही विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर में कमी के कारण बोर्ड पैटर्न को दोबारा शुरू किया गया। इससे विद्यार्थियों के साथ शिक्षकों में भी शिक्षा के प्रति गंभीरता आएगी।

33 प्रतिशत से कम अंक लाने वालों की दोबारा होगी परीक्षा

जिला परियोजना समन्वयक ओपी बनडे ने बताया कि लंबे समय बाद हो रही कक्षा पांचवीं और आठवीं की बोर्ड परीक्षा को लेकर बच्चों के मन में भय है। इसे दूर करने के लिए स्कूलों में प्री-बोर्ड परीक्षा भी आयोजित करवाई जा रही है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि बोर्ड परीक्षा में अनुत्तीर्ण या 33 प्रतिशत से कम अंक लाने वाले विद्यार्थियों की लिए विशेष कक्षाओं का आयोजन कर दो माह बाद पुनः परीक्षा ली जाएगी। यदि इस परीक्षा में भी उनके परिणामों में सुधार नहीं होता है तो उन्हें उसी कक्षा में रोक लिया जाएगा। बनडे ने बताया कि दोनों कक्षाओं में प्रत्येक विषय का पूर्णांक 100 होगा, जिसमें 90 अंक का लिखित प्रश्नपत्र व 10 का मौखिक होगा।

कक्षा पांचवी और आठवीं की बोर्ड परीक्षा को लेकर राज्य शिक्षा केंद्र से प्राप्त निर्देशों के अनुसार ही जिले में कार्रवाई की जा रही है। जिले में संचालित सभी स्कूलों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उसी के अनुसार परिणाम आने की उम्मीद है।

- ओपी बनडे, जिला परियोजना समन्वयक, खरगोन